BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

HINDUSTAN,MUZAFFARPUR,DATE-29/08/2024,PAGE-08

बिहार विवि : लॉ की प्रवेश परीक्षा में होंगे 80 सवाल

तैयारी

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू की लॉ की प्रवेश परीक्षा में छात्रों से 80 सवाल पूछे जायेंगे। परीक्षा अगले महीने होगी। परीक्षा में शामिल होने के लिए 1609 छात्रों ने आवेदन किया है। विवि में पांच वर्षीय और तीन वर्षीय लॉ में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा होनी है। बिहार विवि के पांच कॉलेजों में लॉ की पढ़ाई होती है।

परीक्षा के लिए इसी हफ्ते में छात्रों को एडमिट कार्ड जारी कर दिया जायेगा। सिलेबस विवि ने जारी कर दिया है। प्रवेश परीक्षा में सवालों को ए से ई तक पांच भागों में बांटा गया है। परीक्षा में सामान्य ज्ञान, मेंटल एबीलिटी, करंट अफेयर्स और एप्टीट्यूट टेस्ट से सवाल पूछे जायेंगे। ए, बी, सी, डी भाग से 75 बहुवैकल्पिक सवाल होंगे। पार्ट ई से पांच सबजेक्टिव सवाल पूछे जायेंगे। पार्ट डी को छोड़कर सभी सवाल हिन्दी और अंग्रेजी में होंगे। परीक्षा 100 नंबर की होगी। इसमें निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। परीक्षा दो घंटे तक चलेगी। विवि के परीक्षा हॉल को परीक्षा केंद्र बनाया जा सकता है। लॉ की प्रवेश परीक्षा में पार्ट वन में जीके और जीएस से 20 नंबर के 20 सवाल रहेंगे। पार्ट बी में एनालिटिकी एबीलिटिस से 20 नंबर के 20 सवाल पूछे जायेंगे। पार्ट सी में लीगल एप्टीट्यूट और लीगल अवेयरनेस से 20 नंबर के 20 सवाल रहेंगे। पार्ट डी में इंगलिश लैंगवेज कांप्रिहेंशन के 15 सवाल 15 नंबर के रहेंगे। पार्ट ई में सबजेक्टिव के पांच सवाल 25 नंबर के रहेंगे।

मेधा सूची के आधार पर जारी होगी रैंकिंग

परीक्षा के बाद जारी रिजल्ट में छात्रों की रैंकिंग मेधा सूची के आधार पर जारी की जायेगी। तीन वर्षीय और पांच वर्षीय लॉ के लिए छात्रों की अलग अलग रैंकिंग बनाई जायेगी। अगर दो छात्रों के नंबर में टाई होता है तो पार्ट सी में आये अंकों के आधार पर रैंकिंग तय की जायेगी। लॉ की परीक्षा का रिजल्ट सितंबर में ही जारी होने की उम्मीद है। सितंबर में बिहार विवि लॉ के साथ एमएड की भी प्रवेश परीक्षा करायेगा।

HINDUSTAN,
MUZAFFARPUR
DATE-29/08/2024
PAGE-08

ऑनस्पॉट जारी हुआ बीसीए का सर्टिफिकेट

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू की रजिस्ट्रार प्रो. अपराजिता कृष्ण के आदेश के बाद विद्यार्थियों का सर्टिफिकेट मिल गया। मोतिहारी के एमएस कॉलेज के बीसीए के कई विद्यार्थी प्रोविजनल सर्टिफिकेट नहीं मिलने की शिकायत पर विवि पहुंचे थे। छात्र नेता महिपाल ओझा के साथ सभी छात्र रजिस्ट्रार से मिलने पहुंचे।

छात्रों ने कहा कि प्रोविजनल सर्टिफिकेट नहीं मिलने से उन्हें आगे के दाखिले में परेशानी हो रही है। रजिस्ट्रार ने तुरंत प्रोविजल सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश दिया। इसके बाद विद्यार्थी वहां से लौटे। उधर, पीएचडी 2021 के कोर्स वर्क की परीक्षा को लेकर कई शोध छात्र डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप से मिलने पहुंचे।

HINDUSTAN,MUZAFFARPUR
DATE-29/08/2024,PAGE-08

बीआरएबीयू: छात्रों को स्वयं पोर्टल से पढ़ाने की तैयारी

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू में छात्रों को स्वयं पोर्टल से पढ़ाने की तैयारी की जा रही है। विवि अनुदान आयोग ने कोरोना की पहली लहर के समय ही सभी विश्वविद्यालयों को स्वयं पोर्टल पर छात्रों को कोर्स कराने का निर्देश दिया था। मूक कोर्स चलाने को भी कहा गया था, लेकिन उस समय इसपर पहल नहीं की गई। नये प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वयं पोर्टल पर कोर्स कराने करने के लिए पहल तेज कर दी है। विवि के एक अधिकारी ने बताया कि स्वयं पोर्टल पर छात्रों को कोर्स कराने के लिए कॉलेजों में स्मार्ट रूम तैयार किये जाने वाले हैं।

DAINIK JAGRAN ,MUZAFFARPUR,DATE-29/08/2024,PAGE-04

सिमट कर रह गई खेल संघों की भूमिका, पदाधिकारी भी केवल लेटर पैड की शोभा

प्रमोद कुमार • जागरण

राष्ट्रीय खेल दिवस

अधिकतर खेल संघ जिला प्रतियोगिता तक आयोजित कराने में अक्षम, अपने बलबूते खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में लेते भाग

मुजफ्फरपुर : कहने को जिले में दो दर्जन से अधिक खेल संघ हैं, मगर अधिकतर की स्थिति यह कि शहर में भी उनका वजूद नहीं है। एक दर्जन खिलाड़ी और दो-चार क्लब तक ही उनकी भूमिका सिमटकर रह गई है। कई खेल संघों की हालत यह कि जिला प्रतियोगिता का आयोजन तो दूर, राज्य प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को भेजने तक की क्षमता नहीं है। खिलाड़ी अपने बलबूते इसमें भाग ले रहे हैं। प्रतिवर्ष किसी तरह जिला प्रतियोगिता का आयोजन होता भी है तो उसमें खिलाड़ियों व क्लबों की सहभागिता सच्चाई सामने ला देती है। ग्रामीण क्षेत्रों की कौन कहे, शहर के भी कई क्लब व खिलाड़ियों की भागीदारी नहीं होती।

जिला फुटबाल संघ : इसका दायरा दिन-प्रतिदिन सिमटता जा रहा है। जिला प्रतियोगिता का आयोजन तो हर साल हो रहा, लेकिन उसमें भाग लेनेवाले क्लबों की संख्या घटती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के क्लब की भागीदारी नाममात्र की रह गई है। संघ के पदाधिकारियों ने कभी इस दिशा में प्रयास नहीं किया।

जिला एथलेटिक्स संघ : इसकी हालत यह है कि एक क्लब तक सिमट गया है। एक समय था, जब जिले में एथलेटिक्स के कई क्लब थे। सैकड़ों खिलाड़ी अभ्यास करते थे और जिला प्रतियोगिता में जमकर मुकाबला होता था। आज स्वामी विवेकानंद क्रीड़ा एवं योग संस्थान को छोड़ दें तो शेष सभी क्लब, भारती क्लब, ब्रह्मपुरा स्पोर्टिंग क्लब, आरडीएस कालेज, एलएस कालेज समेत अन्य सभी कालेज में एथलेटिक्स मरणासन्न है।

जिला बास्केटबाल संघ : एक या दो क्लबों के सहारे इसकी गतिविधियां जिंदा हैं। बहुत मेहनत के बाद जिला प्रतियोगिता का आयोजन होता भी है तो चार से पांच क्लब शामिल हो पाते हैं, वह भी शहर के। ग्रामीण क्षेत्र की बात दो दूर-दूर तक यहां भी नहीं है।

> “खेल मैदान की कमी खेल संघों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अभाव में संघ खिलाड़ियों को अभ्यास की सुविधा दे पाता है न आयोजन ही करा पाता है। शहर में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर होगा तो संघ भी सक्रियता से काम कर पाएंगे।
>
> **अनिल कुमार सिन्हा,** संरक्षक, जिला एथलेटिक्स संघ

> अर्थाभाव एवं मैदान की कमी के कारण संघ सक्रिय नहीं हो पाता। प्रायोजक एवं संसाधन मिले तो खेल संघ खेलकूद की गतिविधियों को बढ़ा सकते हैं। फिलहाल संघ अपने स्तर पर जहां तक हो सके प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता का आयोजन कराते हैं।”
>
> **- असगर हुसैन, चेयरमैन,** जिला फुटबाल संघ

जिला खो-खो संघ : दो-चार क्लबों व दो दर्जन खिलाड़ियों के सहारे चल रहा है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता तक नहीं होती है। अंतर विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन कर किसी तरह संघ की गाड़ी चलाई जा रही है।

जिला वालीबाल संघ : हाल के दिनों में इसकी सक्रियता बढ़ी है, लेकिन वह भी एक सीमित दायरे में। जिस रूप से उसका विस्तार होना चाहिए, नहीं हो पाया। संघ जिला प्रतियोगिता का आयोजन तो कर रहा, लेकिन टीमों की भागीदारी शहर के अलावा दो-चार ग्रामीण टीमों तक ही सीमित है।

शोभा बनकर रह गए पदाधिकारी : जिले के अधिकतर खेल संघों के चुनाव से लेकर कार्यक्रम के आयोजन तक का कार्य कागज पर ही होता है। मैदान में खेल दिखे या न दिखे आकर्षक लेटर पैड पर उनके नाम जरूर दिख जाते हैं। दो दशक पूर्व तत्कालीन जिलाधिकारी अमृत लाल मीणा एवं बाद में सूर्य कुमार मिश्रा ने जिला खेल संघों को बुलाकर अपने-अपने संघ से जुड़े खेल के विकास की योजना एवं खेल प्रतियोगिता के आयोजन का वार्षिक कैलेंडर बनाने को कहा था, लेकिन एक भी संघ ऐसा नहीं कर सका। पदाधिकारियों की भूमिका बस लेटर पैड पर शोभा बढ़ाने तक की है।

रोड रेस में स्कूल-कालेजों से शामिल होंगे 300 से अधिक खिलाड़ी

28 कालेजों से छात्र-छात्राओं की होगी भागीदारी

विश्वविद्यालय के अधिकारी और कालेज के प्राचार्य के लिए भी वाकथन

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: राष्ट्रीय खेल दिवस पर गुरुवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स काउंसिल की ओर से प्रथम बाबू लंगट सिंह मेमोरियल इंटर कालेज क्रास कंट्री का आयोजन होगा। प्रतियोगिता में अब तक 28 कालेजों के 276 से अधिक खिलाड़ियों ने अपनी भागीदार सुनिश्चित कर दी है। विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें क्रम एलाट कर दिया गया है। वहीं स्कूली बच्चे भी इस रेस में हिस्सा लेंगे। कुछ खिलाड़ी आनस्पाट भी प्रतियगिता में शामिल होंगे।

दूसरी ओर प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अधिकारी, अंगीभूत कालेजों के प्राचार्य समेत अन्य भी शामिल हो सकेंगे। इसे वाकथन का नाम दिया गया है। स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव डा. कांतेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन में स्वामी विवेकानंद क्रीड़ा एवं योग संस्थान का भी सहयोग लिया जा रहा है। प्रतियोगिता में विजेताओं को पदक के साथ कैश प्राइज भी मिलेगा। सभी वर्गों में प्रथम स्थान हासिल करने वाले को 2500, द्वितीय स्थान पाने वाले को 1500 और तृतीय स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों को 1100 रुपये दिए जाएंगे। कुलपति प्रो.डीसी राय हरी झंडी दिखाकर रोड रेस की शुरुआत करेंगे। कहा कि इससे विश्वविद्यालय में खेल संस्कृति को गति प्रदान करने में मदद मिलेगी। सुबह सात बजकर 20 मिनट पर प्रतियोगिता शुरू होगी और इसका समापन नौ बजकर 30 मिनट पर होगा। अंडर - 14 कैटेगरी में बालक और बालिका वर्ग के लिए दो किमी रेस, अंडर-17 कैटेगरी में बालक और बालिका वर्ग के लिए तीन किमी रेस, इंटर कालेज प्रतियोगिता में छात्राओं के लिए तीन किमी रेस और इंटर कालेज प्रतियोगिता के तहत छात्रों के लिए पांच किमी की दूरी निर्धारित की गई है।

जारी होगा विश्वविद्यालय का स्पोर्ट्स कैलेंडर: विश्वविद्यालय का स्पोर्ट्स कैलेंडर राष्ट्रीय खेल दिवस पर जारी होगा। इसमें विश्वविद्यालय स्तर पर होने वाले विभिन्न खेलों के टूर्नामेंट, आयोजन स्थल से लेकर प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आवेदन तिथि का विवरण होगा। कुलपति प्रो. डीसी राय इसका लोकार्पण करेंगे। सभी कालेजों को इंटर कालेज टूर्नामेंट के लिए स्पोर्ट्स कैलेंडर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय टीम के लिए ड्रेस कोड भी लागू होगा। विश्वविद्यालय की ओर से योजना बनाई गई है कि अब अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में टीम भेजने से पहले खिलाड़ियों का प्रशिक्षण होगा। इसके लिए कैंप का आयोजन और कोच की देखरेख में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण मिलना है।

DAINIK JAGRAN,MUZAFFARPUR,DATE-29/08/2024,PAGE-04

एबीसी आइडी होने से पीजी तक में नामांकित छात्र–छात्राओं को होगा फायदा

दूसरे संस्थान से भी पढ़ पाएंगे विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में नामांकित छात्र–छात्राओं की एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट यानी एबीसी आइडी बनने का बाद वे अगले समेस्टर की पढ़ाई दूसरे संस्थानों से भी कर पाएंगे। यानी वे दूसरे राज्यों के संस्थानों या विश्वविद्यालयों में जाकर किसी सेमेस्टर की पढ़ाई करते हुए अपना क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। चार वर्षीय स्नातक कोर्स लागू होने के बाद अब अंकों की जगह क्रेडिट की अनिवार्यता लागू हो गई है। इसका लाभ स्नातक के साथ-साथ पीजी कोर्सों में नामांकित विद्यार्थी भी ले सकेंगे। इसी को आधार बनाकर एबीसी आइडी को विश्वविद्यालय के लिए अनिवार्य तरीके से लागू किया जा रहा है। सीबीसीएस यानी च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम को स्नातक में सभी संस्थानों में लागू किया जा चुका है। एबीसी आइडी होने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि हर छात्र को 12 अंकों का एक यूनिक नंबर दिया जाएगा। इसे दर्ज करते ही उसकी पूरी जानकारी मिल जाएगी। जैसे छात्र ने पिछले सेमेस्टर की पढ़ाई किस संस्थान से की है। उसका विषय और अन्य संयोजन क्या-क्या रहा है। इसमें उसे

कितने क्रेडिट हासिल हुए हैं। कक्षाओं में उसकी क्या उपस्थिति रही है। साथ ही एबीसी में उसका पिछले सेमेस्टर में अर्जित क्रेडिट को स्टोर भी किया जा सकेगा। दूसरी ओर अगर कोई छात्र विश्वविद्यालय के किसी कालेज में नामांकित है और तीसरे सेमेस्टर की पढ़ाई दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी कालेज से करना चाहता है तो एबीसी आइडी होने से उसे काफी सहूलियत होगी। साथ ही उसके अंकपत्र, सर्टिफिकेट को भी एबीसी पर रखा जा सकेगा। इसे आसानी से डिजिलाकर से भी जोड़ा जाएगा ताकि आने वाले दिनों में संस्थान के स्तर से डिग्री को उसी पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए। पहले ही बीआरए बिहार विश्वविद्यालय का नैड यानी नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी पर रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है। विश्वविद्यालय की ओर से सभी कालेजों को निर्देश जारी किया गया है कि छात्रों का एबीसी आइडी बनाई जाएगी। इसके लिए कालेजों में नोडल बनाए जाएंगे।

नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को होगा फायदा: विद्यार्थियों का एबीसी खाता होने का फायदा विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन के दौरान भी मिलेगा। ऐसे में विश्वविद्यालय इस पर पूरी तैयारी के साथ कार्य कर रहा है। सभी कालेजों में नामांकित विद्यार्थियों की आइडी बनाने का लक्ष्य तो निर्धारित किया ही गया है। दूसरी ओर हर हाल में सभी पीजी विभागों में नामांकित विद्यार्थियों की आइडी बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों की मानें तो पीजी के सत्र 2022 - 24 और 2023 - 25 में पीजी कोर्स में नामांकित विद्यार्थियों की आइडी अनिवार्य रूप से बनेगी ताकि पीयर टीम के विभागों में भ्रमण के दौरान इसका फायदा विश्वविद्यालय को मिल सके।

एमबीए कोर्स में नामांकन के लिए सितंबर में प्रवेश परीक्षा कराने की तैयारी

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में एमबीए की 120 सीटों पर नामांकन के लिए सितंबर में प्रवेश परीक्षा कराए जाने की योजना है। पहले ही एआइसीटीई की ओर से कोर्स के संचालन की अनुमति विश्वविद्यालय को दी गई है। बुधवार को कुलपति की अध्यक्षता में कोर्स के संचालन और प्रवेश परीक्षा समेत अन्य प्रक्रिया को लेकर बैठक हुई। प्राक्टर प्रो. बीएस राय ने बताया कि कोर्स में होने वाली नियुक्ति के लिए राजभवन से अनुमति मिलने के बाद पदों को भरने के लिए विज्ञापन जारी किया जाएगा। इसके लिए गुरुवार को राजभवन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। बताया कि शिक्षकों के छह और स्टाफ के लिए दो पदों पर नियुक्ति होनी है। अगर राजभवन की ओर से इसकी मंजूरी मिल जाती है तो 15 सितंबर तक आवेदन के लिए पोर्टल खोला जा सकता है। वहीं सबकुछ ठीक रहा तो सितंबर महीने में ही प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। कोर्स के संचालन के लिए भवन पहले से ही बनकर तैयार है। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के भवन में एमबीए कोर्स का संचालन किया जाना है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK BHASKAR ,MUZAFFARPUR, DATE-29/08/2024 ,PAGE -06

बौद्धिक व्याख्यान • एलएस कॉलेज में इतिहासकार बाबा साहेब आप्टे की जयंती मनी

बाबा साहेब आप्टे का जीवन, समर्पण, सेवा और अटूट मूल्यों का प्रमाण था : कुलपति

सिटीरिपोर्टर|मुजफ्फरपुर

प्राचार्य ने कहा- बाबा साहेब आप्टे ने राष्ट्र को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाई

एलएस कॉलेज के पीजी इतिहास विभाग व इतिहास संकलन समिति के संयुक्त तत्वावधान में इतिहासकार बाबा साहेब आप्टे की जयंती मनाई गई। इसमें बाबा साहेब आप्टे के व्यक्तित्व व कृतित्व पर बौद्धिक व्याख्यान हुआ। अध्यक्षता बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब आप्टे का जीवन समर्पण, सेवा और अटूट मूल्यों का प्रमाण था। समाज के उत्थान के प्रति प्रतिबद्धता, एक महान विद्वान के रूप में उन्होंने शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास किया। अनगिनत व्यक्तियों को व्यक्तिगत व राष्ट्रीय विकास की दिशा में ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। युवाओं में एकता और सेवा की भावना को बढ़ावा देने में उनके अथक प्रयासों ने देश के भविष्य की नींव रखी। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की। प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय ने कहा कि बाबा साहेब आप्टे ने राष्ट्र को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाई है। वे भारतीय संस्कृति के महान मनीषी, आदर्शों और सांस्कृतिक विशिष्टता के जीवंत प्रतीक, महान विचारक और मौलिक चिंतक के रूप में सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। मुख्य वक्ता पूर्व पीजी इतिहास विभागाध्यक्ष सह डीन प्रो. अजीत कुमार ने कहा कि विभिन्न इतिहासकारों ने विभिन्न कारणों से ऐतिहासिक तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें तथ्यों व दृष्टिकोणों की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि इस तरह के इतिहास लेखन हमारे अतीत की विविधताओं और बहुआयामी प्रकृति को सटीक रूप से प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

एलएस कॉलेज में कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते कुलपति।

कार्यक्रम में इनकी भी रही उपस्थिति

इतिहास विभाग की अध्यक्ष प्रो. पुष्पा कुमारी ने बाबा साहेब आप्टे की भारत छोड़ो आंदोलन में योगदान की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के डॉ. राजीव कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संतोष अनल ने किया। मौके पर भोजपुरी के विभागाध्यक्ष प्रो. जयकांत सिंह, बीएमसी समन्वयक डॉ. राजेश्वर कुमार, प्रो. राजीव झा, प्रो. पंकज कुमार, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. फैयाज अहमद, डॉ. दिलीप कुमार यादव, डॉ. मनीष झा, डॉ. अनामिका आनंद, डॉ. धीरेंद्र कुमार, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. इम्तियाज, सुजीत कुमार एवं ऋषि कुमार आदि थे।

मैनेजमेंट कोर्स की मान्यता के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने का निर्णय

मुजफ्फरपुर| बीआरएबीयू में मैनेजमेंट कोर्स शुरू करने के लिए एआईसीटीई से मान्यता मिल गई है। बुधवार को बीआरएबीयू में मैनेजमेंट कोर्स से जुड़े अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में तय किया गया कि मैनेजमेंट कोर्स की मान्यता के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। बीआरएबीयू में सितंबर से मैनेजमेंट कोर्स में दाखिला शुरू किया जाना है। मैनेजमेंट में 120 सीटों पर दाखिला लिया जाएगा। कॉमर्स के प्रो. रवि कुमार को इसका हेड बनाया गया है और विभाग संचालन के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। उधर, बीआरएबीयू की रजिस्ट्रार प्रो. अपराजिता कृष्ण ने विवि में शुरू हो रही बिजनेस लैब को लेकर कमेटी की बैठक की। रजिस्ट्रार ने बताया कि इस लैब में छात्रों को नवाचार के लिए प्रोडक्ट बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।